सफलता की कहानी

यह कहानी विकास खंड भोरंज की ग्राम पंचायत गरसाहड़ के गाँव ककरोहल के स्वयं सहायता समूह अनमोल की है| जिसका गठन विकास खंड भोरंज के तहत राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत दिनांक 10 -09-2017 को किया | जिसमे कुल 10 सदस्य है | इस समूह की प्रधान श्रीमति सुनीता देवी ने अपने सदस्यों के साथ मिलकर 2018 में सभी प्रकार के अचार बनाने का काम शुरू किया और धीरे- धीरे इन्होने अपने उत्पादों को जिला स्तरीय मेलों में बेचना शुरू किया जिस से इनकी आमदनी में बढोतरी हुई | NRLM के तहत इन्हे 2500 /- रूपये स्टार्ट-उप फण्ड व 40,000/- रूपये रेवोल्विंग फण्ड की राशी भी दी गयी | वर्ष 2020 कोरोना काल में एस समूह की सभी महिलाओं ने मास्क बनाकर बेचने का काम भी शुरू किया जिसमे इन्होने समूह की महिलाओ द्वारा बनाये गये उत्पादों और मास्क को घर घर तक पहुचाया | नवम्बर, 2021 में सुनीता देवी ने अपने गाँव के सभी समूहों को जोड़ कर पहल ग्राम संगठन ककरोहल का गठन किया |

सुनीता देवी ने अपने ग्राम संगठन की महिलाओं को साथ लेकर के खंड विकास अधिकारी भोरंज के समक्ष सेनेटरी यूनिट लगाने की बात रखी | इस पर खंड विकास भोरंज द्वारा इन महिलाओं को उचित दिशानिर्देश दिये गये जिसकी अनुपालना करते हुए सुनीता देवी ने प्रधानमंत्री स्वावलम्बन योजना के तहत 10 लाख का लोन लिया |

अप्रैल 2022 में श्रीमति सुनीता देवी ने इस सेनेटरी यूनिट का उदघाटन जिला उपायुक्त हमीरपुर, व खंड विकास अधिकारी भोरंज की अध्यक्षयता में किया गया |

आज सुनीता देवी अपने पहल ग्राम संगठन की सभी महिलाओं के साथ मिलकर हल्दी, अचार, सेवइयाँ, सीरा, अमला केंडी, बैग , सेनेटरी पैड उत्पाद बना कर ब्लॉक, जिला व राज्य स्तर पर बिक्री कर रही हैं | आज पहल ग्राम संगठन की 80 महिलाएं उपरोक्त उत्पादों को बना कर लगभग 1 लाख रूपए सालाना कमा रहीं हैं जिस से समूह के सदस्यों में आत्मविश्वाश बढ़ा है अपने पांव पर खड़े होकर सफलता की उंचाईयों को छूना ही इनका अब लक्ष्य बन गया है |

Pahal
Pahal
Pahal
Pahal